RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 128
दि. 07.09.2025, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

पीएम मोदी ने पहले दिया डोनाल्ड ट्रंप को जवाब, अब फोन पर की फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से बातचीत

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी के साथ अपने रिश्तों पर बड़ा बयान दिया था जिसका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर एक पोस्ट के जरिए जवाब दिया। इसके बाद आज अब उनकी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से बातचीत हुई।

टैरिफ को लेकर जारी टकराव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत-अमेरिका के संबंधों के मुद्दों पर सटीक जवाब दिया। अब प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से फोन पर लंबी बातचीत की और दोनों देशों के बीच रिश्तों को मजबूत करने के लिए काम करने की बात कही।

दरअसल, पीएम मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों से फोन पर बातचीत की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी है। यह फोन कॉल अहम इसलिए रही क्योंकि एक तरफ रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध पिछले साढ़े तीन साल से जारी है, तो दूसरी ओर भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ और ट्रेड के मुद्दे पर तनातनी की स्थिति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में लिखा, ह्राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। हमने विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा और सकारात्मक मूल्यांकन किया। यूक्रेन में संघर्ष को शीघ्र समाप्त करने के प्रयासों सहित अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी, वैश्विक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहेगी।

क्यों अहम है ये बातचीत?

पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों के बीच बातचीत अहम इसलिए भी है क्यों कि बीते एक महीने में ये दोनों नेताओं की दूसरी बातचीत है और दोनों ही बार यूक्रेन के मुद्दे पर दोनों के बीच चर्चा हुई। बता दें कि हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की बातचीत के दौरान उनके साथ थे।

ध्यान देने वाली बात यह भी है कि टैरिफ के मुद्दे पर भारत और अमेरिका के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सधा हुआ बयान दिया था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपनी अच्छी दोस्ती होने के साथ ही भारत को अमेरिका का अहम कूटनीतिक मित्र देश बताया था।

हालांकि ट्रंप ने यह भी कहा था कि हाल के दिनों में पता नहीं पीएम मोदी क्यों टैरिफ के मुद्दे पर अलग रुख अपना रहे हैं।

सीएम योगी का तोहफा: ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया 20 फीसदी होगा कम, बोले- 'नो हेलमेट... नो फ्यूल' अभियान अच्छा

(जीएनएस)।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को ग्रामीण जनता बस सेवा की सौगात दी। इन बसों में सामान्य से 20 फीसदी किराया कम होगा। इस मौके पर सीएम ने कहा कि परिवहन विभाग चुनौतियों से जूझने को तैयार है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित परिवहन विभाग के कार्यक्रम में पहुंचे। इस मंच से उन्होंने प्रदेश को ग्रामीण जनता सेवा का तोहफा दिया। इसके तहत लखनऊ समेत प्रदेशभर में 250 बसें संचालित की जाएंगी। प्रत्येक डिपो की 10% फ्लीट जनता सेवा की होगी। ये बसें 75-80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगी। इसका किराया 20 प्रतिशत तक कम होगा। सीएम आरटीओ कार्यालय से जुड़े 48 कामों के आवेदन के लिए डेढ़ लाख जन सुविधा केंद्रों सहित कई श्रेणियों में बसों की भी सौगात दी।

इस मौके पर सीएम ने परिवहन मंत्री की चुटकी लेते हुए कहा कि आज मंत्री जी जल्दी आ गए, हम तो सोचे थे कि 12 बजे तक आएंगे। लेकिन, आज पहले आ गए। यह प्रमाण है कि परिवहन बदल रहा है। परिवहन विभाग चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार है। फाइल लटकाने की आदत खत्म करनी होगी। समय की प्रतिबद्धता तय करनी होगी।।

कुंभ और कोरोना के दौरान परिवहन विभाग ने करके दिखाया है। उस वक्त यूपी वासियों को उनके गांव तक पहुंचाया। उत्तराखंड के प्रवासी को भी पहुंचाया। चालक-परिचालकों ने सफलता पूर्वक पहुंचाया। महाकुंभ में भी परिवहन विभाग ने 45 दिन में तमाम लोगों की सेवा की। उन्हें पुण्य कमाने में मदद की। रेलवे स्टेशन से लोगों को बाहर पहुंचने में मदद की। परिवहन विभाग हमेशा प्रदेश के अंदर समय का साथी है।

संक्षिप्त समाचार

हमने पाले खालिस्तानी आतंकवादी', कनाडा का कबूलनामा

खालिस्तानी आतंकवादियों को पालने की बात कनाडा अब मान ली है। कनाडा के फाइनेंस डिपार्टमेंट की एक नई रिपोर्ट में पहली बार यह स्वीकार किया गया है। इसमें कनाडा ने खालिस्तानी आतंकवादियों को चरमपंथी भी कहा है। इसके अलावा माना कि ये चरमपंथी गुट कनाडा में सक्रिय हैं और उन्हें वित्तीय सहायता मिल रही है। कनाडा का इसे स्वीकार करना भारत के लिए एक बड़ी बात है।

कनाडा की इस रिपोर्ट जिसका शीर्षक "कनाडा में मनी लॉन्ड्रिंग और आतंकवादी को फंडिंग के सबसे बड़े खतरे और कमजोरियां" है।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में अवॉर्ड प्राप्त करने वाले राज्य के शिक्षकों को आजीवन एसटी की बस सेवाओं की निःशुल्क यात्रा का दिया उपहार

राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ शिक्षक का अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षकों को राज्य सरकार की महत्वपूर्ण भेंट

मुख्यमंत्री का श्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार विजेताओं को गुजरात एसटी निगम की सभी प्रकार की बसों में राज्य में तथा राज्य से बाहर आजीवन निःशुल्क यात्रा का लाभ देने का निर्णय

गांधीनगर, 06 सितंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने श्रेष्ठ शिक्षक के रूप में अवॉर्ड प्राप्त करने वाले राज्य के शिक्षकों को एक महत्वपूर्ण भेंट देने वाला निर्णय किया है।

इस निर्णय के अनुसार राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर श्रेष्ठ शिक्षक का अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षक गुजरात राज्य सड़क परिवहन

(एसटी) निगम की सभी प्रकार की बस सेवाओं में राज्यभर में तथा राज्य से बाहर जहाँ तक सेवाएँ संचालित हैं, वहाँ तक आजीवन निःशुल्क यात्रा कर सकेंगे।

मुख्यमंत्री ने उनके समक्ष गुजरात राज्य अवॉर्डी टीचर फेडरेशन द्वारा की गई प्रस्तुतियों पर संवेदनापूर्ण तथा सकारात्मक प्रतिभाव देते हुए यह महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

अवॉर्डी शिक्षकों को आजीवन निःशुल्क यात्रा के इस निर्णय का लाभ राज्य के अब तक के लगभग 957 राज्य तथा राष्ट्रीय अवॉर्ड विजेता शिक्षकों को मिलेगा। इसके अलावा भविष्य में ऐसे श्रेष्ठ शिक्षक के राज्य-राष्ट्रीय अवॉर्ड प्राप्त करने वाले शिक्षकों को भी यह लाभ मिलेगा।

किसानों को बड़ी राहत, अन्नदाता की मुस्कान ही राज्य की ताकत - सीएम डॉ. मोहन यादव

मध्य प्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में, हाल की भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों का समर्थन करने के लिए 20 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। सरकार

चुनौतीपूर्ण समय में किसानों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मध्यप्रदेश की सरकार हर संकट में किसानों के साथ खड़ी है। इस स्पष्ट संदेश के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 6 सितंबर को अतिवृष्टि-बाढ़ से क्षतिग्रस्त फसलों के लिए राहत राशि का वितरण किया।

धामी सरकार के चार साल कार्यकाल में 25 हजार सरकारी नौकरियां, इस योजना से विदेश में भी रोजगार

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में चार साल में 25 हजार युवाओं का चयन सरकारी सेवा में हुआ है। धामी सरकार के कार्यकाल के दौरान युवाओं का सरकारी नौकरी में रिकॉर्ड 25 हजार का चयन होना एक कीर्तिमान बन गया है। इतना ही नहीं राज्य सरकार की पहल पर मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना से विदेश में भी रोजगार दिया जा रहा है।

धामी सरकार ने साल 9 नवंबर 2022 से मुख्यमंत्री कौशल उन्नयन एवं वैश्विक रोजगार योजना शुरू की है, इसके लिए युवाओं को आतिथ्य, नर्सिंग, ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करते हुए जर्मनी और जापान में रोजगार प्रदान किया जा रहा है। योजना के तहत अब तक 154 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा

चुका है, जिसमें से 37 को जापान में रोजगार प्रदान किया जा चुका है।

सीएम धामी ने 4 जुलाई 2021 को कार्यभार ग्रहण किया। धामी सरकार ने युवाओं को रोजगार और स्किल प्रदान करने पर विशेष तौर पर फोकस किया। इस दौरान लोक सेवा आयोग, उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, चिकित्सा सेवा चयन आयोग के जरिए 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में स्थायी रोजगार प्रदान किया जा चुका है।

उत्तराखंड लोकसेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के स्तर पर अभी कई विभागों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। कुछ मामलों में जल्द ही अंतिम चयन संस्तुति की जाने वाली है, इस कारण कुल स्थायी नौकरियों का यह आंकड़ा अभी और बढ़ने वाला है।

धामी सरकार ने 2024 में सख्त नकल विरोध कानून लागू करते हुए, नकल माफिया की कमर तोड़ने का काम किया है। इसके बाद से एक भी परीक्षा में पेपरलीक नहीं हुआ है, यही नहीं धामी सरकार पेपर लीक में शामिल 100 से अधिक माफिया का जेल भी भेज चुकी है।

'मैं तेरे ऊपर एक्शन लूंगा', आईपीएस अंजना कृष्णा को फोन पर धमकाने वाले अजित पवार ने अब दी सफाई

(जीएनएस)।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और आईपीएस अधिकारी अंजना कृष्णा के बीच फोन पर हुई गरमागरम बहस का एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। इस घटना ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी और डिप्टी सीएम विपक्ष के निशाने पर आ चुके हैं। लेडी आईपीएस अधिकारी की फोन पर बुरी तरह फटकार लगाते हुए धमकाने के बाद अब अजित पवार ने अपनी सफाई पेश की है।

कार्रवाई करने पहुंची तो एनसीपी नेताओं ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार को फोन मिला दिया और डिप्टी सीएम ने फोन पर कार्रवाई रोकने का आदेश दिया, ने गुस्से में आकर आईपीएस अंजना को धमकी तक दे डाली। जिसका वीडियो वायरल हुआ तो अब डिप्टी सीएम ने अजित पवार ने सफाई दी है।

दरअसल, ये मामला सोलापुर में अवैध मुरम उत्खनन के खिलाफ पुलिस कार्रवाई को रोकने के प्रयास से जुड़ा है। आईपीएस अंजना कृष्णा जब ये जिस पर आईपीएस अधिकारी और डिप्टी सीएम के बीच गरमागरम बहस हुई और अधिकारी ने उन्हें पहचानने से इनकार कर दिया, इस पर अजित पवार

अजित पवार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर लिखा, "सोलापुर में पुलिस अधिकारियों के साथ मेरी बातचीत से संबंधित कुछ वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनका मुझे संज्ञान है। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरा उद्देश्य कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करना नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि स्थिति शांत बनी रहे और आगे न बढ़े।"

अजित पवार ने आगे कहा, "मुझे हमारी पुलिस बल और उसके अधिकारियों, विशेष रूप से उन महिला अधिकारियों के प्रति अत्यधिक सम्मान है जो साहस और उत्कृष्टता के साथ सेवा करती हैं। मेरे लिए कानून का शासन सर्वोपरि है। मैं पारदर्शी शासन के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हूं और यह सुनिश्चित करने के लिए भी कि रेत खनन समेत हर अवैध गतिविधि का कानून के अनुसार सख्ती से निपटारा किया जाए।

उत्तरकाशी में फिर यहां बादल फटा, बरसाती नाले उफान पर

(जीएनएस)।

उत्तरकाशी जिले में एक बार फिर बादल फटने की जानकारी सामने आ रही है। नौगांव बाजार के स्योरी फल पट्टी में बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। नौगांव क्षेत्र में अतिवृष्टि के कारण नौगांव खड्ड, देवलसारी खड्ड एवं मुराडी खड्ड का जलस्तर बढ़ने से कई स्थानों पर मलबा व पानी घरों में घुस गया।

जिसके वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया में वायरल हो रहे हैं। वीडियो में घरों के अंदर पानी और मलबा आता हुआ दिख रहा है। इसके साथ ही कई जगह बरसाती नाले भी उफान पर आ गए हैं। कई वाहन भी मलबे में दबे हुए हैं। लोगों को सुरक्षित स्थान पर रेस्क्यू किया जा रहा है।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी प्रशासन को अलर्ट रहने और रेस्क्यू कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। देवलसारी गदेरे में कुछ दुपहिया वाहनों के बहने की भी सूचना है। एक कार भी मलबे में दब गई है।

पूरे देश में एसआईआर लागू कराने की तैयारी, चुनाव आयोग ने दिल्ली में 10 सितंबर को बुलाई अहम बैठक

(जीएनएस)।

देशभर में मतदाता सूची के स्पेशल रिवीजन (SIR) मुद्दे पर सरकार और विपक्षी दलों के बीच तीखी तकरार जारी है। इन सबके बीच केंद्रीय चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया लागू करने की योजना पर काम कर रहा है। इसके लिए 10 सितंबर को दिल्ली में एक अहम बैठक बुलाई गई है। बताया जा रहा है कि अगले साल होने वाले बंगाल और केरल जैसे राज्यों में चुनाव को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। चुनाव आयोग का उद्देश्य एरर फ्री वोटर लिस्ट तैयार करना है।

ECI की दिल्ली में सभी राज्यों के मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ बैठक

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 10 सितंबर को दिल्ली के द्वारका में इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट में देश भर के चीफ इलेक्शन ऑफिसर की बैठक

होने वाली है। इस एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस में लगभग पूरे दिन स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

SIR पूरे देश में लागू करने पर किया जाएगा विचार

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया लागू कराने पर डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर संतोष कुमार आधे घंटे तक रक्फ़ की पॉलिसी को लेकर एक प्रेजेंटेशन देंगे। बिहार में वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया को लेकर काफी बवाल मचा हुआ है। बिहार के ही मुख्य चुनाव अधिकारी रक्फ़ कराने की प्रक्रिया लागू करने संबंधी एक प्रेजेंटेशन देंगे। इसके बाद सभी राज्यों के मुख्य चुनाव अधिकारी अपने राज्य में इसे लागू करने की प्रक्रिया से लेकर उसमें आने वाली मुश्किलों समेत दूसरे मुद्दों पर इनपुट शेयर करेंगे। इन सबके साथ ही एक सेशन आखिरी में सवाल-जवाब के लिए भी रखा जाएगा।

बिहार में मतदाता सूची का पुनरीक्षण का काम चल रहा है और वोटर लिस्ट संशोधन प्रक्रिया का विपक्षी दल जमकर विरोध कर रहे हैं।

राजस्थान में बारिश ने तोड़े रिकॉर्ड: 37 जिलों में औसत से 120% तक ज्यादा बरसात

राजस्थान में इस बार मानसून ने सामान्य से कहीं ज्यादा बरसात कर हालात बदल दिए हैं। प्रदेश में औसत

से 63% अधिक यानी 617 मिमी से ज्यादा बारिश दर्ज की जा चुकी है। 41 में से 37 जिलों में औसत से 60 से 120 फीसदी तक ज्यादा पानी बरसा है।

मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक पूर्वी जिलों-कोटा, उदयपुर, अजमेर, डूंगरपुर और चित्तौड़गढ़ में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।बीते 24 घंटे में कई शहरों में झमाझम बारिश हुई।

सम्पादकीय

ट्रंप के रुख से यूएस-भारत के मध्य रिश्ते और खराब

टैरिफ को लेकर जहां भारत और अमेरिका के बीच तनाव जारी है, वहीं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत को महान देश तथा प्राधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना मित्र बताना और इसके बाद प्राधानमंत्री मोदी का राष्ट्रपति ट्रंप को हार्दिक धन्यवाद का ज्ञापन करना या तो दोनों नेताओं की वूटनीति औपचारिकता मात्र है अथवा रिश्ते और खराब होने वाले हैं।

दरअसल राष्ट्रपति ट्रंप ने एक दिन पहले ही अमेरिका की मशहूर आईटी वंपनियों के मुख्य कार्यकारियों की बैठक के दौरान यह माना था कि उन्होंने टैरिफ की वजह से भारत को खो दिया। किन्तु उसके बाद ओवेल आफिस में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि "भारत और अमेरिका के संबंध बहुत विशेष हैं और मौजूदा तनाव के बावजूद मैं और मोदी हमेशा दोस्त रहेंगे। वह बेहतरीन प्राधानमंत्री है। वह ग्रोट हैं। लेकिन वह जो कर रहे हैं, मुझे वह पसंद नहीं है। लेकिन भारत और अमेरिका के संबंध बेहद विशेष हैं। इसे लेकर चिन्ता की कोई बात नहीं हैं क्योंकि दोनों देशों के बीच कभी कभार ऐसे पल आ ही जाते हैं।" सच तो यह है कि जिस सवाल के जवाब में राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी को मित्र बताया था वह यह था कि "क्या वह भारत के साथ फिर संबंध सुधारने के लिए तैयार हैं, क्योंकि टैरिफ की वजह से दोनों देशों के संबंध बीते दो दशकों से सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं?"

दोनों देशों की हकीकत यह है कि क्वाड सम्मेलन में भारत आने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप तैयार नहीं हैं और सितम्बर में ही संयुक्त राष्ट्र महासभा के सम्मेलन में जाने से प्राधानमंत्री मोदी ने किनारा कर लिया। इसके अलावा न तो ट्रंप की कोई विशेष भारत यात्रा होने वाली है और न तो मोदी की अमेरिका की यात्रा किसी विशेष उद्देश्य से होने की संभावना है। मतलब यह कि दोनों के बीच निकट भविष्य में किसी भी तरह की बैठक की फिलहाल कोई संभावना नहीं है। दूसरी तरफ दिसम्बर में राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन का भारत आने का कार्यंव्रम है तो मोदी के लगातार संपर्व रूस व चीन के नेताओं से बने हैं। मतलब यह कि क्या अमेरिका के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन की यह भविष्यवाणी कि ट्रंप और मोदी की दोस्ती अब बीते दौर की बात हो गई है। सच तो यह है कि बोल्टन की भविष्यवाणी ही सही साबित होने वाली है। इसका मतलब यह है कि अब भारत और ट्रंप में आपसी विश्वास, भरोसा और एक-दूसरे से उम्मीदें खत्म हो चुकी हैं। ट्रंप को लगता है कि भारत उनसे मात्र इसलिए नाराज है क्योंकि उन्होंने 50 प्रातिशत टैरिफ लगा दिया। लेकिन यही सच नहीं है यानि बात मात्र टैरिफ और पेनाल्टी की नहीं है। बात उस भरोसे की है जो ट्रंप ने तोड़कर यह साबित कर दिया कि वह अपने आपको भारत से बने संबंधों से बहुत बड़ा समझने लगे हैं। ट्रंप ने भारत को स्पष्ट संकेत दिया कि उन्होंने तो भारत की अर्थव्यवस्था को तबाह करने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल कर दिया अब नई दिल्ली को जो करना हो कर ले। ऐसे प्रावृत्ति के व्यक्तित्व वाले राष्ट्रपति से भारत कोई संबंध रखने का न तो इच्छुक होगा और न ही उसकी मित्रता से खुश होगा न ही नाराजगी की परवाह करेगा। भारत बड़ी ही सावधानी से अमेरिका के साथ संबंधों को और खराब होने से बचाना चाहेगा। लेकिन ट्रंप की नाराजगी की कोई परवाह नहीं करेगा। अमेरिका के प्राति भारत की सतर्वता का एक कारण यह भी है कि अब यूरोपीय देशों की भी अमेरिका से ठन गई है।

यूरोप के देशों ने अब अमेरिकी वंपनियों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाकर स्पष्ट कर दिया है कि ट्रंप और अमेरिका उनके मालिक नहीं हैं। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है अमेरिका की टेक वंपनी गूगल पर यूरोप की ओर से 2.9 बिलियन डालर यानि 29 हजार करोड़ डालर का जुमार्ना ठोंक दिया। जुमार्ना लगाए जाने पर ट्रंप का भड़कना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि वह अमेरिकी वंपनियों पर यूरोप के जुमार्ने नहीं सहेंगे।

हैरानी की बात तो यह है कि ट्रंप का अमेरिका का कर्ज लगातार बढ़ रहा है और आज की तारीख में वह 37 ट्रिलियन डालर पार कर चुका है जो देश की अर्थव्यवस्था का 125 प्रातिशत है। इस कर्ज के भुगतान को लेकर अमेरिका काफी दबाव में है। इसके बावजूद उन्होंने मित्र देशों पर ही टैरिफ लगाकर सोचा कि इससे वह अमेरिका को समृद्ध देश बना देंगे।

चंद्र ग्रहण : दुनियाभर की अजीब मान्यताएं जिनपर यकीन करना मुश्किल, भारत से अमेरिका तक फैली हैं कहानियां

(जीएनएस)।

चंद्र ग्रहण को लेकर पूरी दुनिया में उत्सुकता रहती है। एक ओर वैज्ञानिक इसे पृथ्वी, सूर्य और चंद्रमा के बीच आने से बनी एक प्राकृतिक खगोलीय घटना मानते हैं, तो वहीं दूसरी ओर दुनिया की अलग-अलग संस्कृतियों और परंपराओं में इससे जुड़ी कई अजीबोगरीब मान्यताएं देखने को मिलती हैं।

साल का आखिरी चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात को चंद्रमा कुंभ राशि में गोचर करते हुए पूर्ण चंद्र ग्रहण (ब्लड मून) से गुजरेगा। भारत ही नहीं, बल्कि एशिया, यूरोप, अमेरिका और अफ्रीकी देशों तक, हर जगह चंद्र ग्रहण को लेकर अलग-अलग विश्वास प्रचलित हैं। आइए जानते हैं कि दुनिया भर में लोग चंद्र ग्रहण को लेकर क्या सोचते हैं और किन परंपराओं का पालन करते हैं।

दुनियाभर में चंद्र ग्रहण से जुड़ी अजीब मान्यताएं

◯ भारतः राहु-केतु और सूतक काल की मान्यता

भारत में चंद्र ग्रहण को सबसे ज्यादा धार्मिक मान्यताओं से जोड़ा जाता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के मुताबिक राहु और केतु नामक ग्रहण दानव चंद्रमा को निगल जाते हैं, जिस कारण चंद्रमा ढक जाता है। इसी वजह से ग्रहण को एक अशुभ समय माना जाता है।

सूतक कालः ग्रहण से लगभग 9 घंटे पहले सूतक काल शुरू हो जाता है। इस दौरान पूजा-पाठ, भोजन और यात्रा जैसी गतिविधियों पर रोक मानी जाती है।

गर्भवती महिलाओं की सावधानीः माना जाता है कि इस दौरान बाहर निकलना या तेज धार वाली वस्तुओं का प्रयोग करना बच्चे पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

◯ चीनः ड्रैगन निगल जाता है चांद

प्राचीन चीनी सभ्यता में यह विश्वास था कि जब चंद्र ग्रहण होता है तो एक विशालकाय ड्रैगन चांद को निगल लेता है। लोग ढोल-नगाड़े बजाकर या शोर मचाकर ड्रैगन को भगाने की कोशिश करते थे। आज भी चीन के कुछ हिस्सों में यह परंपरा सांकेतिक रूप से निभाई जाती है।

◯ अमेरिका की प्राचीन

जनजातियांः बीमारी और बुरी आत्माएं

अमेरिका की प्राचीन जनजातियों, विशेषकर नवाजो और इनुइट समुदाय, का मानना था कि चंद्र ग्रहण के समय चांद बीमार हो जाता है। उनका विश्वास था कि बुरी आत्माएं चंद्रमा पर हमला करती हैं और उसे अपनी छाया में ले लेती हैं। इसलिए लोग इस दौरान शांति से अपने घरों में रहते थे और कोई नया काम शुरू नहीं करते थे।

◯ अफ्रीकाः सूर्य-चंद्रमा की लड़ाई

अफ्रीका के कई देशों में एक अनोखी मान्यता है। यहाँ लोग मानते हैं कि चंद्र ग्रहण उस समय होता है जब सूर्य और चंद्रमा आपस में लड़ाई कर रहे होते हैं। इस लड़ाई को खत्म कराने के लिए समुदाय एकजुट होकर ढोल पीटते और गाने गाते थे, ताकि दोनों खगोलीय पिंडों में "सुलह" हो सके।

◯ जापानः दुर्भाग्य का संकेत

जापानी संस्कृति में चंद्र ग्रहण को दुर्भाग्य का प्रतीक माना जाता था। पुराने समय में लोग मानते थे कि यह प्राकृतिक आपदाओं, युद्धों या राजाओं के पतन का संकेत है। ग्रहण के समय गर्भवती महिलाओं को खास सावधानियाँ बरतने की सलाह दी जाती थी, ताकि बच्चे को कोई हानि न हो।

◯ दक्षिण अमेरिकाः खून से रंगा चांद

माया सभ्यता और इंका सभ्यता में चंद्र ग्रहण को लेकर विशेष मान्यता थी। उनका विश्वास था कि जब चांद लाल हो जाता है (ब्लड मून), तो यह इस बात का संकेत है कि आकाशीय देवता युद्ध में हैं और चंद्रमा घायल हो गया है। इसलिए लोग देवताओं को खुश करने के लिए बलि और अनुष्ठान करते थे।

◯ यूरोपः जादू-टोना और भविष्यवाणी

मध्यकालीन यूरोप में लोग चंद्र ग्रहण को जादू-टोना और भविष्यवाणी से जोड़कर देखते थे। माना जाता था कि ग्रहण के समय चुड़ैलें और तांत्रिक सक्रिय हो जाते हैं और अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हैं। कई जगह तो इसे राजाओं के पतन और युद्धों का संकेत भी माना गया।

वैज्ञानिक दृष्टिकोणः मिथक बनाम सच्चाई

आज विज्ञान ने साफ कर दिया है कि चंद्र ग्रहण महज एक खगोलीय घटना है, जब पृथ्वी सूर्य और चंद्रमा के बीच आ जाती है और चंद्रमा पर पृथ्वी की छाया पड़ती है। यह न तो बीमारी लाता है, न बच्चे को नुकसान पहुंचाता है और न ही बुरी आत्माओं का असर होता है। फिर भी, सांस्कृतिक मान्यताएं आज भी कई जगह कायम हैं।

चंद्र ग्रहण को लेकर दुनिया भर की मान्यताएं यह दिखाती हैं कि इंसान हमेशा से आकाशीय घटनाओं को रहस्यमयी मानता आया है। चाहे भारत का राहु-केतु हो, चीन का ड्रैगन, या अफ्रीका का सूर्य-चंद्र युद्ध-हर जगह इस घटना को धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से जोड़ा गया।

नोवाक जोकोविच या कार्लोस अल्कारेज, किसके पास है दौलत का खजाना? दोनों की कमाई जानकर उड़ जाएंगे होश!

यूएस ओपन 2025 अपने अंतिम पड़ाव पर है। कार्लोस अल्कारेज दमदार अंदाज में फाइनल तक पहुंच चुके हैं और खिताब जीतने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। दूसरी ओर, दिग्गज नोवाक जोकोविच सेमीफाइनल में हारकर टूनार्मेंट से बाहर हो चुके हैं।

एक तरफ टेनिस के उभरते सितारे अल्कारेज हैं, जो हर मैच में आक्रामक अंदाज दिखा रहे हैं। दूसरी ओर, जोकोविच भले ही इस बार खिताब की रेस से बाहर हो गए हों, लेकिन उनकी लीजेंडरी पहचान और रिकॉर्ड्स को कोई चुनौती नहीं दे सकता।

कोर्ट पर दोनों का खेल अलग-अलग दौर की कहानी कहता है। लेकिन दिलचस्प यह है कि खेल से परे, दौलत (और ब्रांड वैल्यू के मामले में भी इन दोनों दिग्गजों की तुलना की जाती है। आइए जानते हैं आखिर किसके पास है पैसों का खजाना?

जोकोविच की दौलत का साम्राज्य

साल 2025 में नोवाक जोकोविच की नेटवर्थ करीब 250 मिलियन डॉलर (लगभग ₹2,080 करोड़) आंकी गई है। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा उनकी रिकॉर्ड-तोड़ प्राइज मनी से आता है, जो अब तक $188 मिलियन से ज्यादा हो चुकी है। सिर्फ 2025 सीजन में ही उन्होंने $3.4 मिलियन कमाए हैं। इसके अलावा उनके ग्लोबल एंडोर्समेंट, बिजनेस इन्वेस्टमेंट और रियल एस्टेट ने भी उनकी कमाई को ऊंचाई पर पहुंचाया है।

अल्कारेज की बढ़ती कमाई

युवा स्टार कार्लोस अल्कारेज की नेटवर्थ 2025 तक करीब 40 से 45 मिलियन डॉलर (लगभग ₹334 करोड़) बताई जाती है। उनकी इनकम का बड़ा हिस्सा टेनिस टूनार्मेंट जीतने की प्राइज मनी और बड़े-बड़े ब्रांड एंडोर्समेंट से आता है। नाइकी, रोलेक्स और लुई विटॉन जैसे दिग्गज ब्रांड उनके साथ जुड़े हुए हैं।

कौन आगे, कौन पीछे?

कोर्ट पर भले ही कार्लोस अल्कारेज जोकोविच को चुनौती देते नजर आते हों, लेकिन नेटवर्थ की जंग में जोकोविच का दबदबा फिलहाल कायम है। अल्कारेज की रफ्तार तेज है, मगर जोकोविच की दौलत का साम्राज्य अभी भी उनसे काफी आगे खड़ा है।

कपूर फैमिली के इस सुपरस्टार ने पूछी थी चर्चित पॉलिटिशियन की कास्ट, जवाब जानकर नहीं की फिर कभी बात!

बॉलीवुड की चर्चित कपूर फैमिली में जाति और धर्म की दीवारें नहीं रही हैं। इस परिवार में अंतजार्तीय ही नहीं दूसरे धर्म में भी शादी हुई है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि इंडस्ट्री पूरी तरह से जातिवाद की जड़ों से मुक्त है। दरअसल एक किस्सा बहुत चर्चित है

कि इस फैमिली के ही एक सुपरस्टार ने स्कूल में अपने जूनियर की जाति पूछी थी। बाद में वह जूनियर भारतीय राजनीति की चर्चित हस्तियों में से एक बने। यह किस्सा ऋषि कपूर और शशि थरूर के बीच का है।

शशि थरूर ने अपने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह मुंबई में जिस स्कूल में पढ़ते थे उसी में ऋषि कपूर उनके सीनियर थे।

थरूर ने बताया कि उस वक्त वह शायद 11 साल के ही थे जब एक रोज स्कूल के बाथरूम में ऋषि कपूर ने उनसे जाति पूछी थी और थरूर हैरान रह गए थे। उन्होंने कहा कि उस वक्त तक मुझे अपनी जाति के बारे में पता ही नहीं था।

शशि थरूर ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि जातिवाद की जड़ें हमारे समाज में कहीं गहराई तक मौजूद हैं। उन्होंने कहा, 'जब स्कूल के बाथरूम में ऋषि कपूर ने मुझसे जाति पूछी, तो मैं हैरान रह गया था। मेरे पिता ने घर में तब तक कभी हमारी जाति के बारे में बात ही नहीं की थी। मैं इसका जवाब नहीं दे सका और मैंने कहा कि मुझे नहीं पता। इस पर चिंटू (ऋषि कपूर) ने कहा कि हैरानी की बात है, तुम्हें अपनी जाति नहीं पता है।' शशि थरूर ने बताया कि इस घटना के बाद दोनों ने स्कूल में कभी बात नहीं की।

हालांकि, शशि थरूर ने बताया कि इस घटना का उनके मन पर असर पड़ा और उन्होंने घर जाकर अपने पिता से बात की थी। उनके पिता एक अंग्रेजी अखबार में बड़े पद पर थे और उन्होंने बताया कि उनका परिवार नायर कम्युनिटी से आता है।

ऋषि कपूर ने स्कूल की दुनिया से निकलकर जहां सिनेमाई पर्दे पर अपनी पहचान बनाई, तो शशि थरूर ने पहले बतौर डिप्लोमेट और फिर राजनीति में बड़ा मुकाम बनाया।

वायरल हुआ रानी चटर्जी का ऐसा वीडियो, भोजपुरी क्वीन का दिखा नया अंदाज

(जीएनएस)।

भोजपुरी इंडस्ट्री की चर्चित एक्ट्रेस रानी चटर्जी इन दिनों अपनी अपकमिंग कॉमेडी फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फैंस बेसब्री से फिल्म के रिलीज होने का इंतजार कर रहे हैं।

रानी चटर्जी ने शेयर किया मजेदार वीडियो

हाल ही में रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह डबिंग स्टूडियो में काम करती नजर आ रही हैं। इस वीडियो ने उनके फैंस के बीच नए प्रोजेक्ट्स को लेकर कयासों का बाजार गर्म कर दिया है।

रानी चटर्जी ने छोड़ा फैंस के लिए सस्पेंस

-रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम पर डबिंग करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने केवल डबिंग शब्द लिखा है। उन्होंने ये नहीं बताया है कि वो किस फिल्म के लिए डबिंग कर रही हैं। इस सस्पेंस ने फैंस को अटकलें लगाने पर मजबूर कर दिया है।

-कई लोगों का मानना है कि ये वीडियो उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया' या फिर 'इमरती दीदी' से जुड़ा हो सकता है। वीडियो

में रानी चटर्जी का लुक बेहद सिंपल और स्टाइलिश नजर आ रहा है। उन्होंने कैजुअल आउटफिट के साथ मिनिमल मेकअप और हल्के कर्ल वाले बाल बनाए हैं।

रानी चटर्जी की अपकमिंग फिल्म 'चुगलखोर बहुरिया'

-'चुगलखोर बहुरिया' एक हल्की-फुल्की कॉमेडी फिल्म होने की उम्मीद की जा रही है। फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में इसका पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें रानी चटर्जी और अन्य कलाकारों की मस्ती भरी झलक देखने को मिली थी। ये फिल्म अंशुमन सिंह फिल्म क्रिएशन और मैड मूवीज बैनर तले निर्मित हो रही है।

-इसके निमार्ता अंशुमन सिंह, विनय सिंह और मधु शर्मा हैं। निर्देशक के तौर पर इश्तियाक शेख बंटी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिल्म के संगीत साजन मिश्रा ने तैयार किए हैं जबकि कहानी सुरेंद्र मिश्रा और विवेक मिश्रा द्वारा लिखी गई है। फैंस इस फिल्म में रानी चटर्जी के नए अवतार को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

रानी चटर्जी के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

-इससे पहले रानी चटर्जी की फिल्म 'सास-बहू चली स्वर्ग लोक' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर बी4यू चैनल पर हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। इसके अलावा, वह जल्द ही फिल्म 'परिणय सूत्र' में भी नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग फिलहाल चल रही है।

-इसके अलावा रानी चटर्जी की एक और फिल्म 'अम्मा' जल्द ही टीवी पर रिलीज होने वाली है। उनके पास कई अन्य प्रोजेक्ट्स भी हैं, जिनकी रिलीज का इंतजार चल रहा है।

-रानी चटर्जी की कॉमिक टाइमिंग और दमदार एक्टिंग ने उन्हें भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक बना दिया है। उनकी आने वाली फिल्मों से फैंस की

रणबीर कपूर-कैटरीना कैफ की 'ऐसी' फोटो हुई वायरल, मानव मंगलानी ने सामने रखा ऐसा सच

(जीएनएस)।

बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर और एक्ट्रेस कैटरीना कैफ की इबिजा की वायरल तस्वीरें साल 2013 में बॉलीवुड में सनसनी बन गई थीं। इन तस्वीरों ने प्राइवेसी और मीडिया की दखलंदाजी के बारे में सवाल खड़े कर दिए थे।

रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की फोटोज हुईं वायरल

सोशल मीडिया पर वायरल हुईं इन तस्वीरों में रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ बीच पर आराम करते दिख रहे थे। फोटोज में कैटरीना कैफ बिकिनी में और रणबीर कपूर स्विम शॉर्ट्स में नजर आ रहे थे।

वायरल तस्वीरों ने खड़े किए कई सवाल

हालांकि उस समय रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं किया था, लेकिन इन तस्वीरों ने इस बारे में कई सवाल खड़े कर दिए थे। फिलहाल पैपराजी मानव मंगलानी ने खुलासा किया है कि ये तस्वीरें टूरिस्ट या पैपराजी की ली हुई नहीं थीं।

पैपराजी मानव मंगलानी का चौंकाने वाला खुलासा

-पैपराजी मानव मंगलानी ने कहा है कि ये तस्वीरें रणबीर कपूर या फिर कैटरीना कैफ के किसी करीबी व्यक्ति ने मीडिया को लीक की थीं। मानव मंगलानी हाल ही में कुनिका सदानंद के पॉडकास्ट में शामिल हुए थे और उन्होंने कई बॉलीवुड प्रेम-संबंधों की खबरें सामने लाने की बात याद की।

-मानव मंगलानी ने कहा कि सेलिब्रिटी के अनुरोध के बावजूद भी वह तस्वीरें डिलीट नहीं करते, क्योंकि तस्वीरें एक न एक दिन सामने आ ही जाती हैं। उन्होंने कहा- ऐसे मामलों में थोड़ा चालाकी से काम लेना पड़ता है।

-पैपराजी मानव मंगलानी ने बताया कि उन्होंने आदित्य रॉय कपूर और अनन्या पांडे की तस्वीरें तब क्लिक की थीं, जब वह एक-दूसरे को डेट कर रहे थे। उन्होंने ये भी कहा कि जब विक्की कौशल और कैटरीना कैफ दिवाली पार्टी से बाहर निकल रहे थे, तो वह ऐसे पहले फोटोग्राफर थे जिन्होंने उनकी एक साथ तस्वीरें क्लिक की थीं।

'घर में बंद रहकर अफेयर कोई नहीं करता'

-मानव मंगलानी ने कहा- आज नहीं तो कल तस्वीरें बाहर आ ही जाएंगी, क्या वह घर में बंद रहकर अफेयर करने वाले हैं? ये कोई एक रात का अफेयर तो नहीं है। लेकिन ये तस्वीरें ही सबसे ज्यादा वायरल होती हैं। पिछली बार रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की बीच पर तस्वीरें लीक हुई थीं। वह बहुत पुरानी बात है।

-कुनिका सदानंद ने पूछा- ये वो तस्वीरें लीक हुई थीं? इस पर मानव ने जवाब दिया- हां वह उनके किसी करीबी ने लीक की थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि तस्वीरें किसने लीक की। उन्होंने ये भी कहा कि उसके बाद ऐसा कोई लीक नहीं हुआ।

-जानकारी के अनुसार रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ की तस्वीरें तुरंत वायरल हो गई थीं, जिससे सोशल मीडिया पर टैब्लॉइड की हेडलाइन और फैंस के बीच चर्चा का माहौल बन गया था।

-जहां कुछ लोगों ने इस कपल की केमिस्ट्री की तारीफ की थी और उन्हें एक साथ देखकर खुश हुए थे, वहीं कुछ लोगों ने उनकी प्राइवेसी का खुला उल्लंघन होने पर आलोचना भी की थी। इस आलोचना के बाद दोनों कलाकारों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी।

-कैटरीना कैफ ने एक ओपेन लेटर लिखकर अपनी निराशा व्यक्त की थी।

पोहा या उपमा, तेजी से वजन कम करने के लिए कौन सा नाश्ता चुनें?

(जीएनएस)।

भारत में नाश्ते, लंच और डिनर में तरह-तरह के डिशेज बनाए जाते हैं, लेकिन सुबह के नाश्ते में पोहा और उपमा लगभग हर घर में बनते हैं। इसे बनाना जितना आसान है, इसके फायदे उससे कहीं अधिक हैं। ये दोनों पेट को लंबे समय तक भरा रखते हैं, जिससे ओवरईटिंग से बचा जा सकता है।

लेकिन वजन घटाने के मामले में लोग अक्सर सोचते हैं कि इनमें से कौन सा ऑप्शन ज्यादा फायदेमंद रहेगा। वेट लॉस डाइट में ऐसे फूड्स शामिल करने की सलाह दी जाती है जिनमें कैलोरी कम और फाइबर, पोषक तत्व अधिक हों। इसलिए यह जानना जरूरी है कि पोहा और उपमा में कैलोरी कितनी है, इन्हें कब खाना चाहिए और ये शरीर पर किस तरह असर डालते हैं।

पोहा खाने के लाभ

पोहा, यानी चिउड़े, थोड़ा तेल, राई, करी पत्ते, प्याज और मूंगफली के साथ पकाए जाते हैं। यह हल्का, आसानी से पचने वाला और लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस कराता है। इसकी स्वाद में हल्कापन

और जल्दी बनने की खासियत इसे सभी के लिए पसंदीदा बनाती है। पोहा में मूंगफली होने के कारण आयरन की मात्रा भी अच्छी होती है।

उपमा खाने के लाभ

उपमा सूजी (सेमोलिना) से बनाया जाता है, जिसे पहले सूखा भूनकर सब्जियों, करी पत्ते, राई और थोड़े तेल के साथ पकाया जाता है। यह नरम, स्वादिष्ट और पेट भरने वाला होता है। उपमा में डाली गई सब्जियों के कारण प्रोटीन और फाइबर की मात्रा भी बढ़ जाती है, जो वजन घटाने में सहायक हो सकती है।

पोहा और उपमा के कैलोरी और पोषण की तुलना

पोहाः लगभग 150 ग्राम पोहा में 180-200 कैलोरी होती हैं। इसमें काबोर्हाइड्रेट थोड़े कम और आयरन थोड़ी ज्यादा मात्रा में होता है।

उपमाः एक सर्विंग उपमा में लगभग 220-250 कैलोरी होती हैं। इसमें वसा की मात्रा पोषण और तेल/घी के उपयोग पर निर्भर करती है।

वजन घटाने के लिए कौन बेहतर है?

अगर आप कैलोरी गिन रहे हैं, तो पोहा हल्के होने के कारण थोड़ा बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन ध्यान दें कि पोहा या उपमा में सब्जियों की मात्रा बढ़ाकर फाइबर बढ़ाया जा सकता है, जिससे लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस होता है।

कुछ आसान टिप्स

- ज्यादा फाइबर पाने के लिए दोनों में सब्जियाँ डालें।
- तेल की मात्रा कम करें या जैतून का तेल इस्तेमाल करें।
- पोहा में मूंगफली या उपमा में घी कम डालें।
- प्रोटीन बढ़ाने के लिए अंकुरित दालें या उबली हुई दालें डालें।
- धीरे-धीरे और ध्यान से खाएं, ताकि ओवरईटिंग से बचा जा सके।

वेटलॉस के लिए क्या खाएं?

पोहा और उपमा दोनों ही स्वास्थ्यवर्धक भारतीय नाश्ते हैं और सही तरीके से तैयार किए जाएं तो वजन घटाने में मदद कर सकते हैं।

भारत और चीन के एशिया कप हॉकी मैच में कौन जीता? किसे मिली फाइनल में एंट्री

(जीएनएस)।

हॉकी एशिया कप में सुपर चार के मैच में भारत ने चीन के खिलाफ धमाकेदार अंदाज में प्रदर्शन किया और शुरूआती चार मिनट में ही आक्रामक रुख अपना लिया, चीन को हराकर भारत ने फाइनल में जगह बना ली।

शिलानंद ने गोल करते हुए भारत का खाता खोल दिया। इस तरह भारत ने बढ़त प्राप्त कर ली, सातवें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, इंजेक्शन से गेंद हरमनप्रीत के पास गई लेकिन उनका शॉट थोड़ा कमजोर होने के बावजूद दिलप्रीत ने मौके का फायदा उठाया और चीनी प्लेयर्स चकमा देकर शॉट नेट में ठोककर भारत की लीड डबल कर डाली। इसके बाद पहले क्वार्टर में दोनों तरफ से कोई अन्य गोल देखने को नहीं मिला।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 18वें

मिनट में एक गोल दाग दिया। पेनल्टी कॉर्नर से गोल हासिल हुआ। हरमनप्रीत का शॉट ब्लॉक हो जाता है और गेंद विवेक के पास पहुंचती है। विवेक का शॉट रोकने के बाद चीनी गोलकीपर उसे पूरी तरह क्लियर करने में नाकाम रहते हैं। गेंद गोल के बेहद करीब लूज पड़ी होती है, और मंदीप ने तेजी से भागकर पॉइंट रेंज से गोल दाग दिया। इससे भारत की लीड 3-0 तक चली गई। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहता है।

पहले हाफ के बाद भारतीय टीम ने फिर से धमाका किया और चीन को दबाव में लाते हुए गोल दाग दिया। 37वें मिनट में भारत के लिए राजकुमार ने टैप करके गेंद को बॉक्स में डाल दिया। इसके बाद सुखजीत ने गोल दाग दिया, 39वें मिनट में भारत का यह पांचवां गोल था। 46वें और 50वें मिनट में अभिषेक ने बैक टू बैक गोल करते हुए चीन की कमर ही तोड़ डाली, इससे स्कोर 7-0 हो गया। इस स्कोरलाइन के साथ टीम इंडिया ने मैच जीतकर फाइनल में जगह बना ली, फाइनल मैच में भारत का सामना अब कोरिया से होना है।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

जीएसटी सुधार से मध्यमवर्ग को बड़ी राहत, अर्थव्यवस्था में आएगी नई ऊर्जा: केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली, 06 सितम्बर

वित्तीय मोर्चे पर एक बड़े कदम के तहत केंद्र सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) में व्यापक सुधार कर आम और खास, विशेषकर मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ी राहत दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लिए गए इस फैसले से न केवल रोजमर्रा के खर्च कम होंगे बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी गति मिलेगी।

वैष्णव ने बताया कि पहले इनकम टैक्स में सुधार कर 12 लाख रुपये तक की आय पर छूट दी गई थी। अब GST दरों में कमी और सरलीकरण कर मध्यमवर्गीय परिवारों को बड़ा फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि रोटी, कपड़ा, मकान जैसी बुनियादी वस्तुओं से लेकर टीवी, रेफ्रिजरेटर, मोबाइल, पावर बैंक और सोलर पैनल जैसे इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों तक, लगभग हर घर में इस्तेमाल होने वाली चीजों पर टैक्स का बोझ घटा है।

उन्होंने कहा कि देश की ऋळ्ळ करीब 330 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें 202 लाख करोड़ का हिस्सा खपत का है। यदि GST राहत से खपत 10% भी बढ़ती है तो 20 लाख करोड़ की अतिरिक्त GDP उत्पन्न होगी। उत्पादन बढ़ने से रोजगार में वृद्धि होगी और निवेश को भी बल मिलेगा।

केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा कि मध्यमवर्गीय परिवारों के हाथ में बचत बढ़ेगी। यह बचत या तो सेविंग में जाएगी, या लोग अधिक सामान खरीदेंगे, या फिर निवेश करेंगे। इन तीनों गतिविधियों से अर्थव्यवस्था को नया बल मिलेगा और "पॉजिटिव साइकिल" शुरू होगी।

ग्रामीण और साधारण उपभोक्ताओं तक इस संदेश को पहुँचाने के लिए पार्टी व सरकार चौपालों, जनसभाओं और मीडिया के जरिए व्यापक अभियान चलाएँगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पर विशेष रूप से बात करते हुए वैष्णव ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में इस सेक्टर का उत्पादन 6 गुना और निर्यात 8 गुना बढ़ा है। आज 25 लाख लोग इसमें रोजगार पा रहे हैं और मोबाइल फोन से लेकर बैटरी और चिप तक का उत्पादन देश में हो रहा है। सेमीकंडक्टर और API (फार्मा) मैन्युफैक्चरिंग भी भारत में शुरू हो चुकी है।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि सभी उद्योग संघों ने वादा किया है कि GST रियायतों का सीधा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचेगा। वित्त मंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि यदि कंपनियां लाभ ट्रांसफर नहीं करेंगी तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

वैष्णव ने कहा कि यह सुधार केवल टैक्स स्ट्रक्चर को सरल बनाने तक सीमित नहीं है बल्कि आत्मनिर्भर भारत और आर्थिक वृद्धि की दिशा में एक नया अध्याय है।

वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ, साबरमती शाखा द्वारा सचिव श्री शिवशंकर बुंदेला को पदोन्नति पर विदाई एवं सम्मान समारोह

अहमदाबाद, वेस्टर्न रेलवे मजदूर संघ की साबरमती शाखा ने आज नेता के रूप में अपनी सेवा के बाद अब एक अधिकारी का पदभार पदाधिकारियों ने श्री बुंदेला के रेलवे में उनके लंबे और सफल सफर को मजदूर संघ, साबरमती शाखा के अध्यक्ष और पदाधिकारियों ने श्री

अपने लोकप्रिय सचिव श्री शिवशंकर बुंदेला को पदोन्नति मिलने पर एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। श्री बुंदेला को उनके सराहनीय कार्यों और समर्पण के लिए यह सम्मान दिया गया, जिन्होंने यूनियन संभाला है। यह समारोह श्री बुंदेला की पदोन्नति के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया है। उन्हें पर्यवेक्षक से अधिकारी के पद पर नियुक्त किया गया है। समारोह के दौरान, संघ के सदस्यों और याद किया। उन्होंने अपनी नौकरी की शुरूआत एक चार्जमैन के रूप में की थी और अपनी कड़ी मेहनत और नेतृत्व क्षमता से एक लोकप्रिय यूनियन नेता के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। वेस्टर्न रेलवे बुंदेला को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

ओबीसी एसोसिएशन के प्रतिनिधि श्री भाविक पटनी / कार्यकारी अध्यक्ष

पर्यटन कूटनीति के अंतर्गत बड़ी पहल : अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो वियतनाम 2025 में आईआरसीटीसी ने बढ़ाया वैश्विक प्रभाव

नई दिल्ली, 06.09.2025:

भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को "आसियान-भारत पर्यटन वर्ष" घोषित किया है और आसियान देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यटन संबंधों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा पर्यटन को लोगों के बीच आपसी जुड़ाव, साझा समृद्धि और भारत व आसियान देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने का माध्यम मानती है।

इस नई पहल के तहत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को वियतनाम में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल टूरिज्म एक्सपो (क्ळए) वियतनाम 2025 में भारत की भागीदारी आयोजित करने का दायित्व दिया गया है। यह आयोजन 4 से 6 सितंबर 2025 तक सैगॉन एक्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (रएउउ), हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित किया गया जिसमें आईआरसीटीसी के डायरेक्टर राहुल हिमालयन और कई दूसरे प्रतिनिधियों में हिस्सा लिया।

आईआरसीटीसी यहां एक विशेष आसियान-भारत पैवेलियन स्थापित किया, जिसमें भारत के विविध पर्यटन उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे झ जिनमें देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक एवं वेलनेस पैकेज, प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियाँ और विश्वस्तरीय लक्जरी ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों में महाराजा एक्सप्रेस, गोल्डन चैरीअट और बौद्ध सर्किट लक्जरी एसी ट्रेन आकर्षण के प्रमुख केंद्र रहे। साथ ही आसियान देशों के पर्यटन दृश्य और आकर्षण भी प्रदर्शित किया गया । हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री विप्र पांडेय ने इस पैवेलियन का उद्घाटन किया।

इस नए सहयोग और 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने की तैयारी के तहत, आईआरसीटीसी ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से भारत और आसियान देशों के पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों को पाटा ट्रैवल मार्ट 2025 (बैंकॉक) में एकजुट किया। यह भारत-आसियान सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग के लिए एक नए युग की शुरूआत थी। बैंकॉक स्थित आसियान-भारत पैवेलियन का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत श्री नागेश सिंह ने किया। उनकी सक्रियता से इस पहल को और अधिक गति मिली। इसके अतिरिक्त, 28 अगस्त 2025 को थाईलैंड में एक रोड शो भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और यह कार्यक्रम कार्यक्रम सफल रहा।

आईटीई वियतनाम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईआरसीटीसी कर रहा है। इसमें भारत के प्रमुख पर्यटन जीएसए, राज्य पर्यटन बोर्ड के अधिकारी और आसियान देशों के प्रतिनिधि झ पर्यटन व्यापार और नीति निर्माण संस्थाएं झ शामिल हैं। यह सामूहिक भागीदारी प्रधानमंत्री की उस दृष्टि को मूर्त रूप देती है, जिसमें भारत और आसियान एक साथ विकास और पर्यटन सहयोग की दिशा में आगे बढ़ें।

आसियान-भारत पैवेलियन की स्थापना के अलावा आईआरसीटीसी को पूरे भारतीय प्रतिनिधिमंडल की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। साथ ही, आईआरसीटीसी हो ची मिन्ह सिटी में आसियान-भारत पर्यटन रोड शो का आयोजन कर रहा है, जिसमें भारत-आसियान पर्यटन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गयी। इस दौरान स्थानीय ट्रैवल एजेंटों और टूर ऑपरेटरों से सीधा संवाद स्थापित कर नए कारोबारी साझेदारी के अवसर तलाश किए।

बिहार में मौसम: अगले तीन दिन भारी बारिश और ठनका, 20 जिलों में येलो अलर्ट, जनजीवन पर असर

(जीएनएस)।

बिहार में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। मौसम विज्ञान केंद्र ने राज्य के लिए अगले तीन दिनों तक येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार से मंगलवार तक उत्तर और पश्चिम बिहार के कई जिलों में भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

विभाग ने लोगों को सतर्क रहने, अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने और सुरक्षित स्थान पर शरण लेने की अपील की है। आज (रविवार) को पूरे बिहार में बारिश के आसार हैं। पश्चिम चंपारण, मुजफ्फरपुर, सारण, दरभंगा, मधुबनी समेत उत्तर बिहार के 12 जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना। सभी 19 जिलों में गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका है।

30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। सोमवार 8 सितंबर को उत्तर बिहार और दक्षिण-पश्चिम बिहार के 25 जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। अररिया और किशनगंज में भारी बारिश का विशेष अलर्ट है। इसके साथ ही सभी जिलों में सभी जिलों में ठनका गिरने की आशंका बरकरार रहेगी।

अलर्ट का असर - जनजीवन पर पड़ने वाला प्रभाव

शहरी इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन सकती है।

भारी बारिश के समय यातायात प्रभावित हो सकता है।

लोगों को घर से बाहर निकलने में दिक्कतें होंगी।

खेतों में काम करने वाले किसानों और खुले स्थान पर रहने वालों के लिए आकाशीय बिजली से खतरा।

बारिश की कमी और उम्मीदें

इस मानसून सीजन में अब तक बिहार में बारिश सामान्य से काफी कम रही है।

सामान्य बारिश: 820.9 मिमी

अब तक दर्ज बारिश: 565.4 मिमी

घाटा: 31% कम बारिश

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से नमी युक्त हवाएं लगातार बिहार की ओर बढ़ रही हैं। साथ ही मानसून ट्रफ लाइन प्रदेश से होकर गुजर रही है और धीरे-धीरे सक्रिय हो रही है। इससे आने वाले दिनों में बारिश की तीव्रता और बढ़ने की संभावना है।

ग्रीन जोन जिले

कुछ जिलों को ग्रीन जोन में रखा गया है, जहां मौसम सामान्य रहेगा। इनमें शामिल हैं - पटना, गया, नवादा, नालंदा, जहानाबाद, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, मुंगेर, जमुई, बांका, शेखपुरा, सारण, गोपालगंज, सीवान, पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण और लखीसराय। यहां धूप और उमस लोगों को परेशान करेगी।

मौसम विभाग की अपील

बारिश और गरज-चमक के समय खुले स्थान पर न जाएं।

खेत-खलिहान में काम करने से बचें।

बड़े पेड़, बिजली के खंभे या खुले मैदान में खड़े न हों।

बच्चों और बुजुर्गों को घर से बाहर न निकालें।

मुंबई लोकल ट्रेन के इस रूट पर रविवार को रहेगा जंबो ब्लॉक, चेक करें लेटेस्ट शेड्यूल

(जीएनएस)।

मुंबई में अगर आप लोकल ट्रेन का सफर करते हैं तो ऐसे यात्रियों के लिए अहम खबर सामने आई है। 7 सितंबर 2025 यानी रविवार को मुंबई लोकल ट्रेन के कुछ रूट पर मेगा ब्लॉक रहेगा। जिसके चलते संडे के दिन यात्रियों को असुविधा होने होगी।

ये जंबो ब्लॉक सांताक्रूज और गोरेगांव स्टेशनों के बीच घोषित किया गया है। चूंकि ये पांच घंटों का जंबो ब्लॉक होगा इससे यत्रियों को भारी मुश्किल का सामना करना पड़ सकता

इस ब्लॉक के दौरान, सभी तेज गति वाली ट्रेनें गोरेगांव और सांताक्रूज के बीच धीमी लाइनों पर चलाई जाएँगी। इस बदलाव से उन हजारों दैनिक यात्रियों का यात्रा समय बढ़ने की आशंका है, जो शहर भर में तेजी से आवागमन के लिए तेज ट्रेनों पर निर्भर रहते हैं।

साथ ही, कई उपनगरीय ट्रेनों को

रद्द किया जाएगा या उनकी यात्रा को छोटा कर दिया जाएगा। इससे दोपहर के समय भीड़ और असुविधा बढ़ सकती है। यह ब्लॉक 7 सितंबर, 2025 को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक, वढ और ऊडहठ दोनों फास्ट लाइनों पर लागू रहेगा।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस जंबो ब्लॉक का उद्देश्य महत्वपूर्ण ट्रैक, ओवरहेड इक्विपमेंट (OHE) और सिग्नलिंग का रखरखाव करना है। अधिकारियों ने बताया कि ये कार्य रेलवे नेटवर्क के सुचारु और सुरक्षित संचालन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

रेलवे अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे अंतिम समय की परेशानी से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से बना लें। रद्द की गई और छोटी की गई ट्रेनों की पूरी सूची वेस्टर्न रेलवे नेटवर्क के सभी स्टेशन मास्टर कार्यालयों में उपलब्ध करा दी गई है।

मुंबईकरों को इस रविवार अतिरिक्त धैर्य की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि, अधिकारी आश्वासन देते हैं कि यह अल्पकालिक असुविधा शहर के सबसे व्यस्त रेल गलियारे को भविष्य के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

क्या सच में चंद्र ग्रहण के दौरान खाना नहीं खाना चाहिए? धार्मिक मान्यता और वैज्ञानिक कारण

(जीएनएस)।

आकाश में जब चंद्रमा की चमक अचानक धुंधली पड़ जाती है और उसका स्वरूप लालिमा लिए "ब्लड मून" बन जाता है, तो यह दृश्य हर किसी को आकर्षित करता है। लेकिन हिंदू धर्म और ज्योतिषीय मान्यताओं में चंद्र ग्रहण (उँल्लरिं ऋ्रॅल्ल 2025) केवल एक खगोलीय घटना नहीं, बल्कि आस्था और परंपराओं से गहराई से जुड़ा विषय है।

इस बार साल का दूसरा और अंतिम चंद्र ग्रहण 7 सितंबर 2025 की रात को लगेगा। यह ग्रहण रात 8:58 बजे शुरू होगा और 1:26 बजे तक चलेगा। भारत सहित एशिया, यूरोप, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कुछ हिस्सों में इसे देखा जा सकेगा।

क्या है सूतक काल?

हिंदू धर्म में ग्रहण के दौरान लगभग 9 घंटे सूतक काल शुरू हो जाता है। चंद्र ग्रहण के लिए सूतक काल ग्रहण लगने से 9 घंटे पहले शुरू होता है। इस बार यह 7 सितंबर दोपहर 12:57 बजे से प्रारंभ होगा और 8 सितंबर सुबह 1:26 बजे तक चलेगा। मान्यता है कि इस अवधि में वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इसी कारण मंदिरों के कपाट बंद कर दिए जाते हैं और पूजा-पाठ वर्जित हो जाता है।

ग्रहण काल में भोजन क्यों मना है?

धार्मिक मान्यता के अनुसार, ग्रहण के दौरान भोजन अशुद्ध हो जाता है और उसे ग्रहण करना पाप माना गया है। स्कंद पुराण में उल्लेख है कि इस समय भोजन करने से पुण्य नष्ट हो जाता है। इसीलिए सूतक लगते ही भोजन में तुलसी पत्र या कुशा डालने की परंपरा है, ताकि वह नकारात्मक ऊर्जा से सुरक्षित रहे।

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी यह सही माना गया है। ग्रहण के समय सूर्य की किरणें अवरुद्ध होने से वातावरण में बैक्टीरिया और सूक्ष्म जीवाणुओं की वृद्धि हो जाती है, जो भोजन को जल्दी दूषित कर सकते हैं। आयुर्वेद के अनुसार, इस दौरान पाचन शक्ति कमजोर हो जाती है, इसलिए गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भोजन और जल के सेवन से बचना चाहिए।

जल पीना क्यों मना है?

ग्रहण के दौरान जल में राहु-केतु की छाया का प्रभाव बताया गया है। माना जाता है कि इससे कफ दोष बढ़ता है और पाचन तंत्र पर नकारात्मक असर पड़ता है। शास्त्रों में ग्रहण काल के जल को दूषित माना गया है, इसलिए इसे पीने से पहले त्याग देना चाहिए।

वैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो ग्रहण के समय वायुमंडल में सूक्ष्म कणों और जीवाणुओं की सक्रियता बढ़ जाती है, जो जल को अशुद्ध बना सकती है। इसी कारण ग्रहण समाप्ति के बाद नया जल भरकर ही उसका सेवन करना चाहिए।

चंद्र ग्रहण का यह खगोलीय और धार्मिक संगम न केवल अद्भुत दृश्य है, बल्कि यह हमें प्राचीन परंपराओं, स्वास्थ्य और विज्ञान के बीच गहरे संबंधों को भी समझाता है। इस ग्रहण के साथ पितृपक्ष की शुरूआत भी हो रही है, इसलिए इसे और भी खास माना जा रहा है

उत्तर भारत को जल्द मिलेगी बारिश से राहत, मौसम विभाग ने बता दिया कब लौट जायेगा मानसून?

(जीएनएस)।

इस वक्त पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड से लेकर सुदूर कोंकण तक भारी बारिश की वजह से मुश्किल हालात बने हुए हैं। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजधानी दिल्ली का निचला इलाका समेत देश का बड़ा हिस्सा भारी बारिश की वजह से बाढ़ से जूझ रहा है। हालांकि, आने वाले दिनों में लोगों को भारी बारिश से राहत मिल सकती है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 6 सितंबर के बाद से पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की रफ्तार कम होने लगेगी। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत उत्तर भारत के राज्यों में आने वाले सप्ताह में भारी बारिश से राहत मिलने लगेगी।

पंजाब, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली का एक हिस्सा इस वक्त बाढ़ की त्रासदी झेल रहा है। इन राज्यों के लिए बारिश का थमना राहत की खबर साबित हो सकती है। बरसात की वजह से नदियां उफान पर हैं और लोगों को अपना घर छोड़कर अस्थायी राहत कैंप में शरण लेनी पड़ रही है।

मौसम विभाग ने बताया कि इस बार मानसून की वापसी सामान्य से थोड़ी देरी से हो रही है। हालांकि, 7 से 10 सितंबर के बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर में अच्छी बारिश देखने को मिल सकती है। वहीं, पहाड़ी राज्यों हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन का अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद से बारिश की रफ्तार में कमी आने लगेगी और लोगों को राहत मिलेगी। अगले तीन दिन कोंकण क्षेत्र में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा, पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में भी आने वाले सप्ताह में हल्की से तेज बारिश का अलर्ट है।

इस बार देरी से क्यों लौट रहा है?

इस बार मानसून के देरी से लौटने के पीछे मौसम वैज्ञानिकों ने कई कारण बताए हैं। IMD के महानिदेशक डॉ. मृत्युंजय मोहपात्रा ने पुष्टि की है कि 2025 में मानसून की वापसी 17 सितंबर के बाद से होगी और अक्टूबर के पहले सप्ताह तक यह पूरी तरह से लौट सकता है। मानसून के देरी से लौटने के पीछे कई कारण हैं:

- एक अध्ययन के अनुसार, पिछले 50 वर्षों में मानसून का समय लगभग प्रत्येक दशक में 1.6 दिनों की दर से बढ़ा है, जिसका सीधा असर मानसून की देर से वापसी पर पड़ा है। इसके पीछे जलवायु परिवर्तन का असर भी मुख्य कारक है।
- एल-नीनो प्रभाव: प्रशांत महासागर में एल-नीनो की स्थिति मानसून की गतिविधियों को धीमा कर रही है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में असंतुलन बना है जिसकी वजह से नमी और हवाओं का असमान वितरण बारिश को प्रभावित कर रहा है।
- पश्चिमी विक्षोभ की कमी: उत्तरी भारत में मौसम बदलने वाले सिस्टम कम सक्रिय रहे। इसी वजह से इस बार जून-जुलाई से ज्यादा बारिश अगस्त में हुई और सितंबर में भी ज्यादा बारिश का अनुमान है।

दिल्ली पावर कट अलर्ट! इन इलाकों में घंटों बिजली गुल, यहां जानें कब और क्यों हो रही कटौती

(जीएनएस)।

: दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लाखों उपभोक्ताओं के लिए बड़ी खबर है। 7 सितंबर को राजधानी के कई हिस्सों में शेड्यूल्ड पावर कट होने वाला है। बिजली वितरण कंपनी ने आधिकारिक घोषणा की है कि यह कटौती पूरी तरह से मेंटेनेंस, मीटरिंग वर्क और नेटवर्क अपग्रेडेशन का हिस्सा होगी।

विभाग का कहना है कि इस असुविधा का उद्देश्य उपभोक्ताओं को भविष्य में बेहतर और स्थायी बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना है। दिल्ली-ठउफ के किन इलाकों में पॉवर कट रहेगा इसकी पूरी लिस्ट नीचे देखें...

किन-किन इलाकों में रहेगा असर?

मोहान गार्डन

मोहान गार्डन क्षेत्र में दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। यहाँ लश्ऊ-मेंटेनेंस और ट्रांसफॉर्मर से जुड़ा कार्य किया जाएगा। प्रभावित इलाके हैं:

ब्लॉक ढ-2, मोहन गार्डन, राजापुर खुर्द

ब्लॉक ढ, मोहन गार्डन, राजापुर खुर्द

ब्लॉक ऊ भगवती गार्डन, नवादा

ब्लॉक ल, भगवती गार्डन, नवादा

हौज खास

हौज खास क्षेत्र में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक पावर कट रहेगा। इस दौरान 11ङश फीडर और केबल रूट की खुदाई का कार्य किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्र:

गौतम नगर

मुंडका

मुंडका इलाके में सुबह 11:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। यहां पर छळ सर्किट नेटवर्क अपग्रेडेशन का काम होगा। प्रभावित क्षेत्र:

ब्लॉक 2उ, नांगलोई एक्सटेंशन, नांगलोई

विकासपुरी और ओम विहार

बिजली विभाग ने बताया है कि विकासपुरी और ओम विहार क्षेत्र में भी आज मेंटेनेंस कार्यों की वजह से कुछ समय के लिए आपूर्ति बाधित रहेगी।

उपभोक्ताओं के लिए क्या है जरूरी सलाह?

बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे कटौती के दौरान अपने जरूरी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जैसे मोबाइल, लैपटॉप, इनवर्टर आदि को पहले से चार्ज कर लें और वैकल्पिक व्यवस्था कर लें। विभाग ने आश्वासन दिया है कि यह असुविधा अस्थायी है, लेकिन अपग्रेडेशन और मरम्मत के बाद बिजली आपूर्ति पहले से अधिक स्थिर और बेहतर होगी।

विभाग का कहना है कि इन कार्यों के बाद अचानक होने वाली अनियोजित बिजली कटौती की घटनाओं में कमी आएगी और उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

शिकायत कहां करें?

यदि किसी इलाके में तय समय से ज्यादा देर तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है, तो उपभोक्ता विभाग की हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं या आधिकारिक वेबसाइट के जरिए अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

बाइक सवार लुटेरों ने महिला का मंगलसूत्र झपटा वारदात के बाद फरार

खखरेरू /फतेहपुर थाना क्षेत्र के पौली गांव में अज्ञात बाइक सवार लुटेरों ने खेत गई महिला को निशाना बनाते हुए मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गए

मिली जानकारी के अनुसार गीता देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद आज सुबह जानवरों को चारा लेने के लिए खेतों पर गई थी वहां पर चारा काटने के बाद बोझ उठाने का प्रयास कर रही थी घास का बोझ न उठने से खेत पर घास को छोड़कर घर जाने लगी तभी दो अज्ञात बाइक सवार सुबह लगभग 11:00 बजें पौली बसवा मोड़ के नजदीक चौकी तालाब के पास महिला के पास पहुंचकर बोझ उठाने में मदद का आश्वासन दिया इसके बाद महिला के साथ एक बदमाश खेत पर पहुंच कर महिला को घास का बोझ उठा दिया जैसे ही महिला बोझ लेकर चलने लगी तभी बदमाशों ने महिला के मंगलसूत्र को गले से छीन कर बाइक में सवार होकर खागा की तरफ फरार हो गए महिला ने दिन दहाड़े हुई लूटपाट की लिखित शिकायत स्थानीय थाने में देते हुए बताया कि अज्ञात बदमाशों के द्वारा मेरा मंगलसूत्र छीनकर कर भागे हैं जिसकी अनुमानित कीमत 45000 रुपए है घटना के संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि अभी तक लूट की कोई तहरीर नहीं प्राप्त हुई है तहरीर मिलने के उपरांत मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी

लूट की इस वारदात से क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश और दहशत है। लोगों ने पुलिस गश्त पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर इसी तरह दिनदहाड़े लूट की घटनाएं होती रहीं तो आमजन का घर से निकलना मुश्किल हो जाएगा।

अजरौली गांव में 26 अगस्त को हुए हत्याकांड को लेकर बहुजन समाज पार्टी के नेताओं का दौरा शनिवार को जारी रहा

धाता। अजरौली गांव में 26 अगस्त को हुए हत्याकांड को लेकर बहुजन समाज पार्टी के नेताओं का दौरा शनिवार को जारी रहा। बसपा मंडल प्रभारी मुरलीधर गौतम ने मृतक केशपाल सिंह के परिजनों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने घायलों बीरभान सिंह और रामलखन सिंह के घर जाकर भी हालचाल जाना और परिवारों को हर संभव मदद व न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

मंडल प्रभारी ने कहा कि पूरी घटना की रिपोर्ट पार्टी सुप्रीमो मायावती को भेजी जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पीड़ित परिवारों के साथ किसी भी तरह का अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि बसपा हमेशा कमजोर, शोषित और पीड़ित वर्ग के साथ खड़ी है। घटना में लापरवाही या पक्षपात बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी।

इस मौके पर बसपा जिलाध्यक्ष बीर प्रकाश लोधी, विधानसभा अध्यक्ष रामहित प्रियदर्शी, विधानसभा प्रभारी सूरजपाल, वरिष्ठ नेता रमेश सिंह, अरुण कुमार पटेल और मोहम्मद हासिम सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी नेताओं ने संयुक्त रूप से प्रशासन से मांग की कि दोषियों को जल्द न्याय दिलाने का प्रयास किया जाए और पीड़ित परिवारों को सुरक्षा व मुआवजा उपलब्ध कराया जाए।

नेताओं ने कहा कि जिस तरह से खुलेआम वारदात को अंजाम दिया गया है, उससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। कानून-व्यवस्था पर उठ रहे सवालों का जवाब सरकार को देना होगा। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना ही हमारी प्राथमिकता है।

लखनऊ से आए रिटायर्ड एसपी सर्व समाज सेवा संस्थान के सर्व सेवा प्रमुख ज्ञान सिंह संजय सिंह ने मृतक केशपाल सिंह के परिजनों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली

धाता। अजरौली गांव में 26 अगस्त को हुए हत्याकांड को लेकर

लखनऊ से आए सेवानिवृत्त गुप्तचर से रिटायर्ड एसपी सर्व समाज सेवा संस्थान के सर्व सेवा प्रमुख ज्ञान सिंह संजय सिंह ने मृतक केशपाल सिंह के परिजनों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। उन्होंने घायलों बीरभान सिंह और रामलखन सिंह के घर जाकर भी हालचाल जाना और परिवारों को हर संभव मदद व न्याय दिलाने का आश्वासन दिया।

उन्होंने ने घटना में लापरवाही या पक्षपात बरतने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की जाएगी।और उन्होने कहा कि मैं गांव में टहलकर जानकारी ली इस घटना बहुत बड़ी साज़िश है जिसकी जांच बहुत गहनता से होनी चाहिए और इस घटना को लेकर मैं लखनऊ डीजीपी से मिलकर घटना पुरी जानकारी दूंगा।और निष्पक्ष जांच कि मांग करूंगा।

इस मौके पर संजय सिंह,ज्ञान सिंह, मोहित सिंह, विवेक सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

आज पड़ रहे चन्द्र ग्रहण की अवधि रहेगी 3 घंटा 30 मिनट : पूर्णिमा तिथि को रात्रि 9.57 से 1.27 बजे तक खग्रास चंद्र ग्रहण

मथुरा (जीएनएस)। श्री दीपक ज्योतिष भागवत संस्थान द्वारा रतनकुंड चौबियापाड़ा स्थित कैंप कार्यालय पर संस्थान के निदेशक ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी की अध्यक्षता में विचार मंथन गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि भाद्रपद पूर्णिमा तिथि 7 सितंबर को (आज) रात्रि 9 बजकर 57 मिनट से मध्यरात्रि 1 बजकर 27 मिनट तक यह खग्रास चंद्रग्रहण सम्पूर्ण भारतवर्ष समेत पूरे विश्व में दिखाई देगा। बताया कि इस ग्रहण की अवधि 3 घंटा 30 मिनट तक रहेगी और भारतीय परम्पराओं के अनुसार इस ग्रहण का सूतक मध्यान्ह 12 बजकर 57 मिनट से लग जाएगा। उन्होंने कहा कि जिनका जन्म पूवार्भाद्रपद नक्षत्र में हुआ है, वह कुंभ राशि के जातक हैं। कुंभ राशि के जातक इस ग्रहण को न देखें और पूरे ग्रहण काल में दान धर्म-कर्म व भगवत नाम का जाप करते रहें। इस अवसर पर संस्कृत भारती ब्रजप्रांत मथुरा जनपद अध्यक्ष आचार्य ब्रजेन्द्र नागर ने कहा कि भाद्रपद पूर्णिमा को वर्ष का दूसरा व आखरी चन्द्र ग्रहण है, इसका प्रभाव पूरे विश्व में रहेगा। कहा कि वर्तमान में विश्व के अनेक देशों के वैज्ञानिकों द्वारा हमारे ज्योतिष शास्त्र को मान्यता देते हुए अनेक विषयों पर शोध कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा सूतक काल में दूषित वातावरण होने के कारण अनावश्यक बाहर नहीं निकलना चाहिए और भोजन तथा खान-पीन से बचना चाहिए। वहीं ज्योतिषाचार्य पंडित दीपक चतुर्वेदी और साहित्याचार्य शरद चतुर्वेदी ने कहा कि इस वर्ष पितृपक्ष के प्रारंभ में 7 सितंबर रविवार को चन्द्रग्रहण और पितृपक्ष के समापन पर 21 सितंबर को आंशिक सूर्यग्रहण है। इसे ज्योतिष शास्त्र की दृष्टि से दुर्लभ योग माना जा रहा है और खगोलीय दृष्टि से आसमान में अद्भुत संयोग बन रहा है, जिससे देश-दुनियां में उथल-पुथल व दैवीय आपदाओं का प्रभाव रहेगा। बताया कि पितृपक्ष में दान धर्म-कर्म व भगवत स्मरण करते रहें। इस अवसर पर सौरभ शास्त्री, पंकज ज्योतिषाचार्य, मनीष, ऋषभ देव, गोविंद देव, मनोज पाठक और निरंजन शास्त्री आदि ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए सभी से ग्रहण काल में सावधानी बरतने तथा दान धर्म-कर्म व भगवत स्मरण करते रहने की सलाह दी है।

एम0 जी0 चैरियट्स प्रा. लि. लखनऊ द्वारा न्यू रेनो काइगर की भव्य लॉन्चिंग

लखनऊ । रेनो लखनऊ (एम0 जी0 चैरियट्स प्रा. लि.) द्वारा आज उनके शोरूम, 410-412, नियर पुरानी चुंगी कानपुर रोड, कृष्णा नगर, लखनऊ पर न्यू रेनो काइगर की भव्य लॉन्चिग की गई।

इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सौरभ जादौन (ब्रांच हेड यूको बैंक) उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम में ग्रुप के प्रबंध निदेशक आशीष अग्रवाल तथा वंदिता अग्रवाल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। रेनो इंडिया प्रा0 लि0 की ओर से एरिया सेल्स मैनेजर जितेश सिंह सहित इन्डियन बैंक, कोटेक महिंद्रा, आईसीआईसीआई, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, एक्सिस बैंक के मैनेजर उपस्थित रहे। ग्राहकों ने इस मौके पर बुकिंग भी कराई।

नई रेनॉल्ट काइगर में 35 से अधिक डिजाइन, सुविधा एवं सुरक्षा से जुड़ी खूबियाँ जोड़ी गई है, जो इसे और भी दमदार बनाती हैं। इसकी मुख्य विशेषताओं में 22 नए इंटीरियर और एक्सटीरियर अपग्रेड 3 डुअल टोन व 6 मोनो टोन रंगों के नए विकल्प (ओसिस ऐल्लो, शौडो ग्रे, स्टिल्थ ब्लैक, आदि) 7 नई कंफर्ट फीचर्स जैसे वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, ऑटो हैडम्लैंप्स रेन-सेंसिंग वाइपर्स (केवल मैनुअल वेरिएंट में) नई क्रूज कंट्रोल सुविधा, आइसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकर, ऑटो फोल्ड के साथ वेलकम-गुडबाय सीक्वेंस, मल्टी व्यू कैमरा है।24 सुरक्षा फीचर्स, 6 एयरबैग्स, फ्रंट पार्किंग सेंसर्स, फॉलो-मी-होम हैंडलैम्प्स, टेक-ए-ब्रेक रिमाइंडर शामिल है।अधिकतम 7 वर्ष अनलिमिटेड किलोमीटर की वारंटी भी शामिल है।

इस कार्यक्रम को अतिथियों और ग्रुपों ग्राहकों से अत्यंत सराहना मिली और सभी ने नई काइगर के लुक एवं फीचर्स की प्रशंसा की।

जश्न-ए-मिलाद-उन-नबी पर समाज सेवी ने लगाई सबील

सुरूर हसन राज

लखनऊ। ईद-ए-मिलाद-उन-नबी के मौके पर अमीनाबाद के कच्चा हाता में पैगंबर-ए-अकरम हजरत मोहम्मद (स.अ.व.) की विलादत का जश्न बेहद अकीदत और जोश-ओ-खरोश से मनाया।

अमीनाबाद के (मोहल्ला) कच्चा हाता में नबी की पैदाइश के मौके पर शान हुसैन समाज सेवी ने सबील का इंतजाम किया।

इस पुर-असरार रात में, अकीदतमंदों का एक जुलूस नबी की शान में नात-ओ-मनकबत पढ़ते हुए गलियों से गुजरा।

हर हाथ में नबी का परचम था, जो उनकी अजीम शख्सियत और पैगाम की निशानी थी। लोगों ने झंडों को कियारत किया, और यह मंजर रूहानी कैफियत से भरपूर था।

यह सबील सिर्फ एक जगह नहीं थी, बल्कि पैगंबर मोहम्मद रसूल-ए-पाक (स.अ.व.) की पाक सीरत और उनकी अमानत का एक आइना थी। इस सबील पर रात भर राहगीरों और जुलूस में शामिल लोगों के लिए चाय, बिस्किट और पानी का बंदोबस्त किया गया, ताकि लंबी दूरी तय करने वाले लोगों को आराम मिले और उनकी तकलीफें आसान हों।

इस नेक काम की ज़िम्मेदारी शान हुसैन समाजसेवी के कंधों पर थी। उनके साथ क्षेत्र के और भी अजीम शख्सियतें मौजूद थीं, जिन्होंने मिलकर इस सबील को कामयाब बनाया। उन सभी मोमिनों के ताऊन से ही यह इंतजाम किया गाया।

पैगंबर (स.अ.व.) ने हमेशा ही इंसानियत, मुहब्बत और भाईचारे का पैगाम दिया। उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी तालीम थी जरूरतमंदों की मदद करना और लोगों में खुशियां बांटना।

यह सबील उन्हीं उसूलो पर अमल करने का एक अजीम मौका था। इस पाक मौके पर हर चेहरे पर एक खास रौनक और तसल्ली थी, जो इस बात का सबूत थी कि नबी की अमानत, उनकी सुन्नते और तालीम, आज भी हमारे दिलों में जिंदा हैं।

यह जश्न सिर्फ एक रस्म नहीं, बल्कि पैगंबर की दिखाई हुई राह पर चलने और उनकी अमानत-ए-जिंदगी को कायम रखने का एक अहद था।

चन्दा ग्रीन्स सोसायटी से अनोखे अंदाज में भगवान गणेश जी को विंटेज कार में बिठाकर किया विदा

मथुरा (जीएनएस)। चंदा ग्रीन्स वेलफेयर सोसायटी (ट्रांसपोर्ट नगर) ने गणेश जी की पूजा करने के बाद आज गणेश जी को सोसायटी के सभी लोगों ने मिलकर विदा किया। गणपति बाबा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ कि गणेश जी से प्रार्थना करते हुए कि कहा गणेश जी सभी को स्वस्थ और समृद्ध रखें तथा अगले बरस भी इसी तरह गणेश जी की हम से मिलकर आराधना करेंगे। इस अवसर पर नरेंद्र दीक्षित और रिंकी दीक्षित ने गणेश जी को विंटेज कारों से भावपूर्ण विदाई देते हुए अगले बरस भी अपने यहां स्थापित करने की मनोकामना मांगी। इस अवसर पर मुन्नीलाल दीक्षित, विनोद दीक्षित, सलिल सक्सैना, अंकित, रवीन्द्र सिंह, कृष्णवीर चौधरी, पूर्णिमा चौधरी, बिजेंद्र सिंह, निमिष्का दीक्षित, शिवम दीक्षित, केशव शर्मा, गौरव सक्सैना, कृष्णा, कुशाग्र दीक्षित, सरिता अग्रवाल, हेमा चौधरी, सीमा रश्मि, हरिओम पंडित, पूर्णिमा चौधरी, सरिता अग्रवाल, सानिका पाठक, विमलेश वार्ष्णेय, अनिता, अंजली गुप्ता, श्रद्धा पाठक, गीता गोस्वामी, शोभा सिंह, रश्मि अग्रवाल और कविता चौधरी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहीं।

केएम विवि में शिक्षक दिवस पर हुआ चिकित्सकों समेत सभी फैकल्टी का सम्मान : शिक्षक का दर्जा मां-बाप के बाद सबसे ऊपर : कुलाधिपति

मथुरा (जीएनएस)। देश के पूर्व राष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में केएम विश्वविद्यालय में हैप्पी टीचर्स-डे ह्यसम्मान दिवसह्न के रूप में मनाया गया। विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी ने विवि मेडीकल के डॉक्टर्स और सभी फैकल्टी के विभागाध्यक्षों को पटुका पहनाकर सम्मानित किया। लेक्चर सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ विवि के कुलाधिपति किशन चौधरी, कुलपति डा. एनसी प्रजापति, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे और विवि सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष / विवि कुलाधिपति का विवि के फैकल्टी के डीन समेत अन्य सदस्यों ने पटुका पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान विवि के छात्र-छात्राओं ने हैप्पी टीचर्स-डे पर कविताएं एवं स्पीच के माध्यम से अपने विचार रखे और अपने गुरुजनों का मान बढ़ाया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलाधिपति किशन चौधरी ने गुरु और शिष्य के महत्व को समझाते हुए रामायण समेत अन्य ग्रन्थों पर प्रकाश डाला और कहा बिना गुरु के कोई भी अनुष्ठान पूरा नहीं किया जा सकता, शिक्षक ही समाज का आईना होते हैं, जो विद्यार्थियों को और समाज को देश में आगे लेकर जाते हैं। इसलिए शिक्षक का दर्जा मां-पिता के बाद सबसे ऊपर माना जाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षक की भूमिका सभी के जीवन के लिए अहम है, शिष्य और गुरु एक दूसरे के पूरक होते हैं। वहीं विवि के कुलपति डा. एनसी प्रजापति ने मोबाइल को सभी का टीचर बताते हुए कहा शिक्षक ही समाज और राष्ट्र निर्माण की धुरी हैं। उन्होंने फैकल्टी सदस्यों को विश्वविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का आह्वान किया और टीचर्स-डे की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर वेटरिनरी के डीन डा. अजय प्रकाश शर्मा ने कबीर के दोहे पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षक ही छात्रों को अंदर और बाहर से मजबूत बनाता है तथा छात्र समाज में जाकर अच्छा नागरिक बनता है। इसीक्रम में मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने कहा कि एक टीचर समाज को दिशा देने वाला होता है। अस्पताल के एडीशनल मेडीकल सुप्रीटेंट आरपी गुप्ता ने कहा कि शिक्षक अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला होता है। इस अवसर पर विवि के सलाहाकार डा. एसपी गोस्वामी ने कहा कि गुरु के रुप में शिक्षकों का सम्मान ही टीचर्स-डे होता है। कहा कि गुरु, ईश्वर के समान है, यह संकल्प आप सभी यहां से लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि गुरु-शिष्य परंपरा मनाते रहेंगे तो शिक्षक दिवस को सम्मान दिवस का रुप मिलेगा। इस अवसर पर मेडीकल एंड हॉस्पिटल के सभी विभागाध्यक्ष, विवि के फैकल्टी के डीन, प्रोफेसर एवं विवि के सभी संकायों के सैकड़ों छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रो. राजन ने किया तथा स्वागत भाषण वेदवीर सिंह एवं डा. एसपी गोस्वामी द्वारा किया गया।

जीएसटी सुधार स्वदेशी उत्पादों को देगा बढ़ावा : हेमा मालिनी

-कर कटौती से आम नागरिकों को मिलेगी राहत

मथुरा (जीएनएस)। मथुरा की सांसद सिने तारिका हेमा मालिनी ने कहा कि जीएसटी सुधार स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देंगे और छोटे शहरों में उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा। अभिनेत्री से राजनेता बनीं हेमा मालिनी ने मोदी सरकार द्वारा किए गए जीएसटी सुधारों की सराहना की और इसे ऐतिहासिक बताया, क्योंकि यह आम जनता को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि "यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली हमारी सरकार की सबका साथ, सबका विश्वास और भारत को आत्मनिर्भर बनाने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।" उन्होंने आगे कहा कि कर में कटौती से उपभोक्ताओं के हाथ में अधिक पैसा आएगा, जिससे मांग बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि यह सुधार हमारी आर्थिक वृद्धि को गति देंगे। कहा कि जीएसटी से छूट मिलने के बाद स्वास्थ्य सेवाएं ज्यादा किफायती होंगी। इसी तरह, हमारे किसानों को सस्ते कृषि उपकरणों का लाभ मिलेगा, क्योंकि वह कम टैक्स स्लैब में आ रहे हैं। रोजमर्रा की जरूरत की चीजें भी कम स्लैब में आने से सस्ती हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के स्वदेशी के आह्वान को इन सुधारों से बढ़ावा मिलेगा और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नीतिगत फैसलों से उत्पन्न नई आर्थिक चुनौतियों का सामना करने में भारत की मदद होगी। सांसद हेमा मालिनी ने कहा कि केवल दो स्लैब होने से व्यवसायों के लिए अपनी वैधानिक कर देनदारियों का भुगतान करना भी आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि इस कर कटौती से व्यवसायों को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा टैरिफ वृद्धि के बीच नए ग्राहक खोजने में मदद मिलेगी।

कौन हैं अशोक सिद्धार्थ, कितनी संपत्ति के हैं मालिक? सबके सामने मायावती से हाथ जोड़कर मांगी माफी, बीएसपी में शामिल

(जीएनएस)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में बड़ा उलटफेर हुआ है। पार्टी सुप्रीमो मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद के ससुर अशोक सिद्धार्थ को फिर से पार्टी में शामिल कर लिया है। अशोक सिद्धार्थ ने सार्वजनिक रूप से हाथ जोड़कर अपनी गलतियों के लिए माफी मांगी, जिसके बाद मायावती ने यह निर्णय लिया।

यह घटनाक्रम तब सामने आया, जब अशोक सिद्धार्थ ने शनिवार को माफी मांगी। कुछ ही घंटों बाद मायावती ने उनके निलंबन को रद्द कर दिया। कुछ महीने पहले, जब मायावती ने आकाश आनंद से जिम्मेदारियां वापस ली थीं, तब अशोक सिद्धार्थ पर भी निशाना साधा गया था।

मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि अशोक सिद्धार्थ, जो लंबे समय तक बसपा के कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे और पूर्व राज्यसभा सांसद भी थे, उन्हें कुछ महीने पहले पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण निष्कासित कर दिया गया था।

मायावती ने आगे बताया कि अशोक सिद्धार्थ ने 'एक्स' पर एक लंबी पोस्ट के जरिये सार्वजनिक रूप से अपनी गलती स्वीकार की और माफी मांगी है। अशोक सिद्धार्थ को अपनी गलती का एहसास काफी पहले हो गया था और वह विभिन्न स्तरों पर पश्चाताप कर रहे थे, लेकिन आज उन्होंने इसे सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया। पार्टी और आंदोलन के हित को देखते हुए उन्हें एक और मौका देना उचित समझा गया।

अशोक सिद्धार्थ बोले- बहन जी से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं

इससे पहले, अपनी माफी में अशोक सिद्धार्थ ने लिखा था, "बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की चार बार मुख्यमंत्री रहीं मायावती जी का हृदय से सम्मान एवं चरण-स्पर्श करता हूं। मुझसे पार्टी का कार्य करने के दौरान जाने-अनजाने में तथा गलत लोगों के बहकावे में आकर जो भी गलतियां हुई हैं, उसके लिए बहन जी से हाथ जोड़कर माफी मांगता हूं। आगे मैं कभी भी गलती नहीं करूंगा और पार्टी के अनुशासन में ही रहकर, उनके मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश में ही कार्य करूंगा।"

"मैं रिश्तेदारी का कोई नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा"

अशोक सिद्धार्थ ने कहा, "मैंने अनेकों कष्ट झेलकर अपनी पूरी जिंदगी इस देश के करोड़ों दलितों एवं अन्य उपेक्षित वर्गों के हित व कल्याण के लिए समर्पित की है। मैं रिश्तेदारी आदि का कोई नाजायज फायदा नहीं उठाऊंगा। मैं यह भी स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि खासकर संदीप ताजन (बसपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र) और हेमंत प्रताप या जिन भी गलत लोगों को पार्टी से निकाला गया है, उनको वापस लेने के लिए कभी सिफारिश नहीं करूंगा।

कौन हैं अशोक सिद्धार्थ?

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के एक महत्त्वपूर्ण सदस्य अशोक सिद्धार्थ ने हमेशा सुर्खियों से दूर रहे हैं। उन्हें बसपा के उन नेताओं में गिना जाता है, जो पर्दे के पीछे रहकर पार्टी के लिए काम करते हैं। वे लंबे समय से मायावती के करीबी माने जाते रहे हैं।

अशोक सिद्धार्थ को 12 फरवरी 2025 को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में बसपा से निष्कासित किया गया था। तब मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को भी संयोजक पद से हटा दिया था। लेकिन अब आकाश को बड़ी जिम्मेदारी मिलने के साथ ही उनके ससुर की पार्टी में वापसी हुई है।

मायावती से घनिष्ठता के कारण उन्होंने सरकारी नौकरी छोड़कर राजनीति में कदम रखा। मायावती ने उन्हें पहले विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) बनाया और फिर वर्ष 2016 में राज्यसभा भेजा।

वे वर्ष 2022 तक राज्यसभा सांसद रहे, जहां उन्होंने सतीश चंद्र मिश्र के साथ बसपा का प्रतिनिधित्व किया। एक समय ऐसा था कि वो सतीश चंद्र मिश्रा की पार्टी में जगह लेने वाले थे।

अशोक सिद्धार्थ दलित समुदाय से आते हैं। उनकी पत्नी मायावती के शासनकाल में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। पेशे से अशोक सिद्धार्थ एक डॉक्टर हैं।

उन्होंने बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी से स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त, महारानी लक्ष्मीबाई कॉलेज से उन्होंने नेत्र रोग में डिप्लोमा किया है।

कितनी संपत्ति के हैं मालिक अशोक सिद्धार्थ?

राज्यसभा चुनाव के समय जमा किए हलफानामे के अनसुार अशोक सिद्धार्थ फ्र 7,04,24,361 यानी सात करोड़ से अधिक संपत्ति के मालिक थे, हालांकि ये पुराना आंकड़ा है अनुमान हैं कि इतने वर्षों में उनकी संपत्ति में करोड़ों रुपये का इजाफा हो चुका है।